सरकार को मान्यता दे दी है। लेकिन इस के साथ-साथ मैं मंत्री महोदय से कहना चाहता हूँ कि यह सप्ताह सब से अच्छा और उपयुक्त है, मुक्तिवाहिनी की प्रेरणा के लिए भी इस सप्ताह से हमे मान्यता बंगला देश की सरकार को दे देनी चाहिए क्योंकि जो भी अब तक मुक्तिवाहिनी को प्रेरणा मिली है वह हमारे देश की नेता प्रधान मत्री से मिली है और मुझे पूरा विश्वास है कि एक दो हफ्ते के अन्दर बगला देश निश्चय रूप से आजाद होगा।

यही नही मै यह भी कहना चाहता हूँ कि पख्तून नेता जो वहा चुने गए थे पेशावर मे वह भी आज पाकिस्तान मे नही है। पश्चिमी पाकिस्तान के बहुत से मेम्बर पार्लियामेंट आज लदन पहुँच गये है। वह याह्या खा का समर्थन नही करते। तो यह जो बनावटी एम० पी० आ रहे है उनके लिए बगला देश की मुक्तिवाहिनी काफी है, उन को शूट करने के लिए। उन से डरने की बात नही है। लेकिन मै एक बात पूछना चाहता हूँ सुरक्षा मत्री जी से कि यह जो अमरीकी जहाज हमारी सीमा का उल्लघन कर रहे है ...(व्यवधान)...वह अमरीकी जहाज ही है जो पाकिस्तान के पास है, वह जनसंघ के जहाज नही है, सेबर जेट्स जो अमरीकी जहाज उल्लघन कर रहे है, क्या उनके विमान चालक पाकिस्तानी है या अमरीकी है या विदेशी है, बाहर के भी है क्योकि हम लोग जानते है कि पिछले दिनो यू-2 का एक जहाज था जो कि पाकिस्तान से उस के पड़ोस मे भेजा गया था, वह शूट किया गया था तो उस मे अमरीकन मौजूद थे। तो हम चाहते है इस बात के लिए खास तौर से रक्षा मंत्री जी हमे आश्वासन दें और यह बताये कि उन मे विदेशी चालक थे या नही थे और आइन्दा होगे तो उनको जरूर शूट करके गिरायेंगे। यह आश्वासन मैं चाहता हूँ और मुझे पूरा विश्वास है कि अब की बार कोई भी इस प्रकार का जहाज हिन्दुस्तान से वापस नही जायगा। यह भी मुझे पूरा विश्वास है लेकिन सदन के सामने यह आश्वासन पहले भी दिया और आज भी फिर हम चाहते है, बस, इतना ही मैं आप से स्पष्ट कराना चाहता हूँ।

श्री जगजीवन राम : उपाध्यक्ष महोदय, शशिभूषण जी ने ठीक ही कहा। एक हफ्ते से उन्होने शुरू किया और दो हफ्ते पर गए, एक दो हफ्ते, उस के साथ साथ उपयुक्त समय मैं और जोड़ देता हूँ। एक दो हफ्ते या उपयुक्त समय पर मान्यता देने के प्रश्न पर विचार कर लिया जायगा।

श्री अमृत नाहाटा (बाडमेर) : एक दो हफ्ते के भीतर जो उपयुक्त समय हो।

श्री जगजीवन राम : एक दो हफ्ते या उपयुक्त समय पर विचार कर लिया जायगा।

दूसरा प्रश्न इन्होने किया कि जो जहाज उधर से आते है उस पर विदेशी चालक होते है या नही, तो वह तो सभी विदेशी चालक ही होते है, वह सब जो पाकिस्तान के चालक बनते है विदेशी ही है, पाकिस्तानी हमारे लिए विदेशी ही है।

जहा तक आप ने दूसरी बात कही, मैं फिर दोहरा देना चाहता हूँ कि हमारे हवाई जहाजों को और सैनिकों को आदेश है कि इस तरह के जहाज आएँ तो उन को मार करके गिरा दें।

14.55 hrs.

PAPERS LAID ON THE TABLE

MR. DEPUTY-SPEAKER : Shri Uma Shankar Dixit.

NOTIFICATIONS UNDER ESSENTIAL SERVICES MAINTENANCE ACT, 1968

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY PLANNING (SHRI A. K. KISKU) : On behalf of Shri Uma Shankar Dixit .....

MR. DEPUTY-SPEAKER : If you are doing it on his behalf, you should have fu-

[Mr Deputy-Speaker]

formed me before. You may lay the papers now.

SHRI A. K. KISKU : I beg to lay on the Table a copy each of the following Notifications (Hindi and English versions) under sub-section (2) of section 2 of the Essential Services Maintenance Act, 1968 :--

(1) S. O. 3748 published in Gazette of India dated the 10th October, 1971 declaring service connected with conservancy and sewage disposal in the Union territory of Delhi to be an essential service for the purposes of the Essential Services Maintenance Act, 1968.

(2) S. O. 3749 published in Gazette of India dated the 10th October, 1971 containing order prohibiting strikes in any service in the Union territory of Delhi connected with conservancy and sewage disposal. [*Placed in Library. See* No. LT—928/71].

STATEMENT RE. RETIREMENT OF SHRI B. C. GANGULI, EX-CHAIRMAN, RAILWAY BOARD

THE MINISTER OF RAILWAYS (SHRI K. HANUMANTHAIYA) : Mr. Deputy-Speaker, Sir, I beg to lay on the Table a statement on the retirement of Shri B. C. Ganguli, ex-Chairman, Railway Board. [*Placed in Library. See* No. LT—929/71].

MR. DEPUTY-SPEAKER : MR. K. N. Singh.

THE DEPUTY MINISTER IN THE DEPARTMENT OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI KEDAR NATH SINGH) : On behalf of Shri Raj Bahadur......

श्री अटल बिहारी वाजपेयी (ग्वालियर) : उपाध्यक्ष जी, मैंने इस मुद्दे के सम्बन्ध में स्पीकर महोदय को पत्र लिखा था। हमारे संसदीय कार्य मंत्री 13 आर्डिनेंस सदन के सामने रख रहे हैं। ...(व्यवधान)...मैं आइटम नं० 7 के सम्बन्ध में कह रहा हूँ। मेरा कहना यह है कि आप इस समय स्पीकर की कुर्सी पर बैठे हैं। मैंने स्पीकर को सवेरे पत्र लिखा था। इंटर सेशन पीरियड में 13 आर्डिनेंस जारी करना यह तो सदन के इतिहास में आज तक कभी नहीं हुआ है। आप को स्मरण होगा कि श्री मावलंकर ने प्रधान मंत्री नेहरू से इस बारे में पत्र व्यवहार किया था...

MR. DEPUTY-SPEAKER : He is laying copies of the Ordinances issued during the inter-session period. Let him lay them. You may have your objections to them but there is nothing to prevent their being laid on the Table. You can seek another opportunity to criticise the Government for doing this. But I cannot prevent papers being laid on the Table of the House.

SHRI ATAL BIHARI VAJPAYEE : My submission is that this is the opportune moment to raise this question.

MR. DEPUTY-SPEAKER : No discussion.

SHRI ATAL BIHARI VAJPAYEE : Unless you fix sometime for discussion when is the time ?

MR. DEPUTY-SPEAKER : Your letter is being considered by the Speaker ; it is not before me now. That would be given due consideration. What I am saying is that this cannot prevent papers from being laid on the Table of the House.

SHRI S. M. BANERJEE (Kanpur) : There is the motion for disapproval of the Ordinance ; it is one way of discussing it. If it is about the issue of Ordinances, we are not in favour of Ordinances. Three or four Ordinances have been issued to impose taxation. Apart from that, most of the Ordinances are in the interest of the country.

SHRI ATAL BIHARI VAJPAYEE : We are not discussing the merits. I seek your guidance as to how this question could be raised. When the Ordinances will be discussed, they will be discussed individually.

MR. DEPUTY-SPEAKER : Mr. Vajpayee is a senior Member of the House. He has written to the Speaker. I do not know what he has written, but that will be given due consideration I cannot give an answer to that now. What I am saying is that it